Ministry of Health and Family Welfare
Government of India

Help us to help you

वैक्सीन की विशेषता पर अक्सर पूछे जाने वाले सवाल

1 भारत में फिलहाल जो दो वैक्सीन हैं उन्हें बनाने में किस तकनीक का इस्तेमाल किया गया है?

कोविशील्ड

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की कोविशील्ड वैक्सीन एक वायरल वेक्टर आधारित तकनीक है, जिसका इस्तेमाल इबोला की वैक्सीन बनाने में भी किया गया है।

कोवैक्सीन

भारत बायोटेक लिमिटेड की कोवैक्सीन एक पूर्ण इनएक्टिवेटिड यानी निष्क्रिय कोरोना वैक्सीन है जो सम्पूर्ण कोरोना वायरस को पदंबजपअंजम या निष्क्रिय कर तैयार की गयी है। इस तकनीक के इस्तेमाल से ही इन्फ्लुएंजा, रेबीज और हेपेटाइटिस-A जैसी वैक्सीन बनाई जाती हैं।

2 भारत की दोनों वैक्सीन की संरचना क्या है यानी किन चीज़ों से मिलकर बनी हैं?

कोविशील्ड

में निष्क्रिय एडिनोवायरस के साथ कोरोना वायरस के अंश, एल्युमिनियम हाइड्रोक्साइड जेल, एल-हिस्टिडाइन, एल-हिस्टिडाइन हाइड्रोक्लोराइड मोनोहाइड्रेट, मैग्नीशियम क्लोराइड हेक्साहाइड्रेट, पॉलिसोरबेट 80, एथेनॉल, सुक्रोज़, सोडियम क्लोराइड और डाइसोडियम एडिटेट डिहाइड्रेट।

कोवैक्सीन

कोवैक्सीन में निष्क्रिय कोरोना वायरस, एल्युमिनियम हाइड्रोक्साइड जेल, TLR 7/8 एगोनिस्ट, 2-फेनोक्सीथेनॉल और फॉस्फेट बफर्ड सलाइन।

3 दोनों वैक्सीन को कोल्ड चेन तापमान की ज़रुरत होती है। वैक्सीन के रख–रखाव और लाने व ले जाने के दौरान कोल्ड चेन तापमान कैसे बनाए रखा जाता है?

दोनों वैक्सीन के भंडारण और लाने व ले जाने के लिए 2-8 डिग्री सेल्सियस तापमान की ज़रुरत होती है। देशभर के करीब 29,000 कोल्ड चेन प्वाइंट्स पर उपलब्ध एक्टिव और पैसिव कोल्ड चेन उपकरणों के ज़रिए दोनों वैक्सीन के लिए कोल्ड चेन बनाए रखी गयी है।

4 अगर एक हेल्थ वर्कर के तौर पर मुझे वैक्सीन लग चुकी है तो मेरे परिवार को वैक्सीन कैसे मिलेगी (क्योंकि वो भी मेरे ज़रिए वायरस के संपर्क में आए हैं)?

जिन लोगों को वायरस के संपर्क में आने का खतरा सबसे ज्यादा होता है जैसे कि हेल्थ केयर और फ्रंटलाइन वर्कर्स उन्हें प्राथमिकता से वैक्सीन दी जा रही है। ऐसे कर्मचारी अपने परिवार वालों को संक्रमित करने का स्रोत हो सकते हैं। परिवार के बाकी के सदस्यों को भारत सरकार द्वारा उम्र के हिसाब से तय प्राथमिकता के आधार पर वैक्सीन लगेगी।

5 क्या कोविशील्ड (COVISHIELD®) वैक्सीन बिल्कुल वही है जो ब्रिटेन में एस्ट्राजेनेका द्वारा दी जा रही है?

हां, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा बनाई गई कोविशील्ड (COVISHIELD®) वैक्सीन उसी पेटेंट तकनीक पर आधारित है जिस पर एस्ट्राजेनेका वैक्सीन बनी है।

6 दोनों ही वैक्सीन की कितनी खुराक और कितने अंतराल पर लेनी है?

कोविशील्ड की पहली डोज़ के बाद दूसरी डोज़ के लिए ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने 4-6 हफ्ते का अंतर तय किया है। कोवैक्सीन की पहली डोज के 28 दिन बाद दूसरी डोज लेनी है।

7 क्या मैं अपनी पसंद की वैक्सीन चुन सकता हूं?

उपलब्धता, डिस्ट्रीब्यूशन प्लान और लाभार्थियों की संख्या के अनुसार भारत के अलग-अलग हिस्सों में वैक्सीन की सप्लाई होगी, इसलिए वर्तमान समय में पसंद की वैक्सीन चुनने का विकल्प उपलब्ध नहीं है।